भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति
तारीखः 20 जुलाई, 2025
जारी करने का समय: 1830 घंटे

विषय: i) 20 से 26 जुलाई के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम तथा पूर्वोत्तर राज्यों में भारी से बहुत भारी वर्षा; 20 से 24 जुलाई के दौरान हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भारी वर्षा तथा 23 जुलाई से तटीय ओडिशा में वर्षा में वृद्धि।
ii) अगले 6-7 दिनों के दौरान केरल, कर्नाटक, तेलंगाना, तमिलनाडु में भारी से बहुत भारी वर्षा जारी रहने की संभावना है।

आज दिनांक 20 जुलाई, 2025 को 0830 बजे तक पिछले 24 घंटों के दौरान मौसम की स्थिति:

- असम और मेघालय, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा तथा कुछ स्थानों पर अत्यंत भारी वर्षा (≥21 सेमी) दर्ज की गई है।
- बिहार, राजस्थान में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा (7-20 सेमी) दर्ज की गई है; अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा, पश्चिम बंगाल में गंगा के तटीय क्षेत्र, ओडिशा, झारखंड, छत्तीसगढ़, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र, सौराष्ट्र और कच्छ, तमिलनाडु, केरल और माहे, तेलंगाना, तटीय कर्नाटक और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।

अधिक जानकारी के लिए कृपया अनुलग्नक I देखें।

i. मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुलग्नक II और III देखें):

- मानसून की कम दबाव रेखा सक्रिय है और इसका पश्चिमी सिरा अपनी सामान्य स्थिति से दक्षिण की ओर और पूर्वी सिरा औसत समुद्र तल पर अपनी सामान्य स्थिति से उत्तर की ओर है। अगले 2 दिनों में इसके उत्तर दिशा में बढ़ने की संभावना है।
- कल उत्तर-पश्चिम और पूर्वोत्तर राजस्थान के समीपवर्ती क्षेत्रों पर बना दबाव लगभग पश्चिम की ओर बढ़ गया और एक सुचिह्नित निम्न दबाव क्षेत्र में कमजोर हो गया तथा आज, 20 जुलाई, 2025 को प्रातः 05:30 बजे पश्चिमी राजस्थान और समीपवर्ती पाकिस्तान के ऊपर स्थित हो गया तथा आज, 20 जुलाई को प्रातः 08:30 बजे उसी क्षेत्र में बना रहा।
- निचले क्षोभमंडल स्तर पर एक द्रोणिका रेखा उत्तर बिहार से झारखंड होते हुए ओडिशा तक बनी हुई है।
- एक पूर्व-पश्चिम गर्त मध्य क्षोभमंडल स्तर पर दक्षिण कर्नाटक से दक्षिण तटीय आंध्र प्रदेश तक अक्षांश 13°N पर लगभग बना हुआ है।
- 24 जुलाई, 2025 के आसपास बंगाल की खाड़ी के उत्तर में एक नया निम्न दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है।

उत्तर पश्चिम भारत:

- 20-22 जुलाई के दौरान उत्तराखंड में, 21-23 जुलाई के दौरान हिमाचल प्रदेश में, 21-24 जुलाई के दौरान पंजाब, जम्मू और कश्मीर में, 20 और 21 जुलाई को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में, 26 जुलाई को पूर्वी उत्तर प्रदेश में, 20 जुलाई को पश्चिमी राजस्थान में, 22 और 26 जुलाई को पूर्वी राजस्थान में, 21 और 22 जुलाई को हरियाणा में भारी वर्षा होने की संभावना है।
- अगले 7 दिनों के दौरान पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र और मैदानी इलाकों में कुछ स्थानों पर आंधी, बिजली गिरने के साथ अधिकांश स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा होने की संभावना है।

पश्चिम भारत:

- 20 से 26 जुलाई के दौरान कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्रों में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना; 20 जुलाई को सौराष्ट्र और कच्छ में और 21 जुलाई को मराठवाड़ा में भारी वर्षा होने की संभावना।
- अगले 5 दिनों के दौरान क्षेत्र में कई/कुछ स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा होने की संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- 20-26 जुलाई के दौरान केरल और माहे, तटीय और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना; 20-22 जुलाई के दौरान तमिलनाडु; 20-24 जुलाई के दौरान तेलंगाना; 20 को लक्षद्वीप में, 20 और 21 को रायलसीमा में, 20-26 के दौरान उत्तर आंतरिक कर्नाटक में, 20-24 जुलाई के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में भारी वर्षा होने की संभावना।
- अगले 5 दिनों के दौरान दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में तेज सतही हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटे की गति) चलने की संभावना है।
- अगले 7 दिनों के दौरान केरल और माहे, लक्षद्वीप, कर्नाटक, रायलसीमा में कई/कुछ स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा; तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना में छिटपुट वर्षा।

पूर्वी और मध्य भारत:

- 20 जुलाई को छत्तीसगढ़, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में, 23-25 जुलाई के दौरान विदर्भ, छत्तीसगढ़, ओडिशा, गंगीय पश्चिम बंगाल में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है। 20 जुलाई को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, 20-22 जुलाई के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, 20-25 जुलाई के दौरान विदर्भ, छत्तीसगढ़, 23-26 जुलाई के दौरान मध्य प्रदेश, गंगीय पश्चिम बंगाल, झारखंड, 20-26 जुलाई के दौरान ओडिशा, 20 और 21 जुलाई को बिहार और 24-26 जुलाई के दौरान भारी वर्षा जारी रहने की संभावना है।
- अगले 7 दिनों के दौरान अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा, साथ ही गरज के साथ छींटे पड़ने और बिजली गिरने की संभावना है। 20 जुलाई को बिहार में मध्यम बादल से लेकर ज़मीन पर बिजली गिरने की संभावना है।

पूर्वोत्तर भारत:

- अगले 7 दिनों के दौरान पूर्वोत्तर भारत में कई स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा के साथ गरज के साथ बारिश और बिजली गिरने की संभावना है।

- 20 जुलाई को अरुणाचल प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है, 20-26 जुलाई के दौरान असम और मेघालय में, 20-22 और 25 व 26 जुलाई के दौरान अरुणाचल प्रदेश में, 20 और 21 जुलाई को नागालैंड और त्रिपुरा में तथा 24-26 जुलाई के दौरान भारी वर्षा होने की संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

- मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 20 जुलाई से 25 जुलाई 2025 तक निम्नलिखित क्षेत्रों में जाने से बचें:

अरब सागर:

- 22 जुलाई के दौरान दक्षिण कोंकण तट, गोवा के साथ-साथ; 23 और 24 जुलाई के दौरान गुजरात तट और आसपास के समुद्री क्षेत्र, कोंकण तट के साथ-साथ; 20 से 23 जुलाई के दौरान केरल, कर्नाटक तटों, लक्षद्वीप, मालदीव, कोमोरिन क्षेत्रों के साथ-साथ। 20 से 25 जुलाई के दौरान सोमालिया तट और आसपास के समुद्री क्षेत्रों, दक्षिण ओमान और आसपास के यमन तट और आसपास के समुद्री क्षेत्रों; 20 से 24 जुलाई के दौरान मध्य अरब सागर के अधिकांश भाग और आसपास के, दक्षिण अरब सागर के उत्तरी भाग।

बंगाल की खाड़ी:

- 20 से 23 जुलाई तक तमिलनाडु तट के पास; 24 जुलाई तक दक्षिण ओडिशा तट, उत्तरी बंगाल की खाड़ी; 20 और 25 जुलाई के दौरान दक्षिण बंगाल की खाड़ी, अंडमान सागर के ऊपर; 20 जुलाई तक मध्य बंगाल की खाड़ी के दक्षिणी भाग और 21 से 25 जुलाई तक आंध्र प्रदेश तट, मध्य बंगाल की खाड़ी के अधिकांश भाग; 20 से 23 जुलाई तक मन्नार की खाड़ी के ऊपर।

ii. 20 से 23 जुलाई 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक IV)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php

जिलेवार चेतावनियों के लिए देखें: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

वर्षा रिकॉर्ड की गई (से.मी.):

उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल एवं सिक्किम: मजहरदाबरी टी गार्डन (अलीपुरद्वार) - 24; - फालाकाटा (अलीपुरद्वार) - 23; पट्कापारा टी एस्टेट (अलीपुरद्वार) - 20;- भाटकावा टी एस्टेट (जलपाईगुड़ी) - 19; डोमोहानी (जलपाईगुड़ी) - 17;- निओरा, चालौनी टी एस्टेट, डायना टी एस्टेट, जुरांटी टी एस्टेट (जलपाईगुड़ी), झालोंग (कालिम्पोंग) - 16 प्रत्येक; - मेखलीगंज (कूचबिहार), धरला वैली टी एस्टेट, सूंगाची टी एस्टेट (जलपाईगुड़ी) - 15 प्रत्येक;- बरदीघी टी एस्टेट, कुमलाई टी एस्टेट (जलपाईगुड़ी), आर्यमन टी एस्टेट (अलीपुरद्वार) - 14 प्रत्येक ; बारोभिषा (अलीपुरद्वार), माथाभांगा (कूचबिहार), चैंगमारी/डायना (जलपाईगुड़ी), जलपाईगुड़ी (जलपाईगुड़ी), अमफु पुंदीबाड़ी (कूचबिहार), इंडोंग टी एस्टेट (जलपाईगुड़ी) - 13 प्रत्येक;- बुक्साडुआर, अलीपुरद्वार PTO (अलीपुरद्वार), संकोस (कूचबिहार), डेंगुआझार टी गार्डन, घिश, मयनागुड़ी कॉलेज, नागरकाटा, न्यूलैंड्स टी गार्डन (अलीपुरद्वार) - 12 प्रत्येक; - मुर्ति (जलपाईगुड़ी), सीमारा (अलीपुरद्वार), ग्यालसिंग PTO (ग्यालशिंग), ऐभील टी एस्टेट, गुड होप टी एस्टेट, ऊडलाबाड़ी टी एस्टेट, तूर्सा टी गार्डन (अलीपुरद्वार) - 11 प्रत्येक ;- NH31 ब्रिज, डेंटम (ग्यालशिंग), आनंदपुर टी एस्टेट, बनरहाट हाई स्कूल, बटाबाड़ी टी एस्टेट, चेल, गेर्कोटा टी एस्टेट, गंड्रापारा टी गार्डन, कारबल्ला टी एस्टेट, मोगुलकाटा टी एस्टेट, मोराघाट टी एस्टेट, पलाशबाड़ी टी एस्टेट, धुपगुड़ी (जलपाईगुड़ी), बीच टी गार्डन, कुमारग्राम टी एस्टेट, संकोस टी एस्टेट (अलीपुरद्वार) - 10 प्रत्येक ;- गाजोलडोबा (जलपाईगुड़ी), चेपन (अलीपुरद्वार), दामदिम टी एस्टेट, हिल्ला टी एस्टेट, कैलाशपुर टी एस्टेट, नोवरानुडी टी गार्डन, वाशाबाड़ी टी एस्टेट (जलपाईगुड़ी) - 9 प्रत्येक ;- रावांगला ARG (नामची), भगतपुर टी एस्टेट, घाटिया टी एस्टेट, कुर्ती टी एस्टेट, सरस्वतीपुर टी एस्टेट, ट्रा नागरकाटा (जलपाईगुड़ी), दालगांव टी एस्टेट (अलीपुरद्वार) - 8 प्रत्येक;- बागडोगरा IAF (दार्जिलिंग), डामथांग (नामची), जीती टी एस्टेट, लीश रिवर टी गार्डन (जलपाईगुड़ी),जयबीरपारा टी एस्टेट (अलीपुरद्वार) - 7 प्रत्येक. असम एवं मेघालय: हैजुआह (बारपेटा) - 21; - टिहू ARG (नलबाड़ी) - 13; - तुरा AWS (पश्चिम गारो हिल्स) - 12;- मुशलपुर AWS (बकसा) - 9; - कोकराझार (कोकराझार), चमटा ARG (नलबाड़ी) - 8 प्रत्येक;- धुबरी CWC (धुबरी), गोसाईगांव AWS (कोकराझार), बजाली AWS (बजाली) - 7 प्रत्येक.

पश्चिम राजस्थान: - बालेसर - 18; - ओसियां SR (जोधपुर) - 10; - सायला SR (जालौर), बड़मेर - 8 प्रत्येक;- शिव (बड़मेर), शेरगढ़ (जोधपुर), पोखरण (जैसलमेर), खीवेसर SR (नागौर), गडरा रोड (बड़मेर), पाली (पाली), नचना/लाठी (जैसलमेर), भोपालगढ़ SR (जोधपुर) - 7 प्रत्येक.

बिहार: रानीगंज (अररिया) - 16; बरहिया (लखीसराय) - 14; गोगरी (खगड़िया), मोहड़ा, अत्री (गया), मांसी (खगड़िया) - 13 प्रत्येक; अमरपुर (बांका), परबत्ता, अलौली, चौथम (खगड़िया), श्रीनगर (पूर्णिया) - 12 प्रत्येक; - खगड़िया, सुल्तानगंज (भागलपुर), वाज़ीरगंज (गया) - 11 प्रत्येक; ठाकुरगंज (किशनगंज), बखरी बेगूसराय) - 10 प्रत्येक ;- बनमनखी (पूर्णिया), बरौनी, बच्चवाड़ा, सरमेरा (नालंदा), भगवानपुर (बेगूसराय), अस्तावन (नालंदा), बिंद (नालंदा), बैसा (पूर्णिया) - 9 प्रत्येक; - तैबपुर (किशनगंज), अररिया (अररिया), अमौर (पूर्णिया), जलालगढ़ (पूर्णिया), Nathnagar (भागलपुर) - 8 प्रत्येक; - फोर्ब्सगंज (अररिया), तारापुर (मुंगेर), शंभूगंज (बांका), सोनहौला (भागलपुर), सिलाओ (नालंदा), कटरीसराय (नालंदा), होस्वरी (पटना), कस्बा (पूर्णिया) - 7 प्रत्येक.

पूर्वी राजस्थान : माउंटआबू तहसील SR (सिरोही) - 14.

तटीय कर्नाटक: कारवार (उत्तर कन्नड़) - 12; - सिद्दापुर (उडुपी) - 9; - कोटा (उडुपी) - 8 ; कुमटा (उत्तर कन्नड़), कुंडापुरा (उडुपी) - 7 प्रत्येक;

सौराष्ट्र एवं कच्छ: रणावाव (पोरबंदर), पोरबंदर (पोरबंदर) - 11 प्रत्येक; मानवदर (जूनागढ़) - 7;

कोंकण एवं गोवा : काणकोण (दक्षिण गोवा) - 11; राजापुर (रत्नागिरी), क्वेपेम (दक्षिण गोवा) - 8 प्रत्येक; सांकुंई (दक्षिण गोवा), चिपलून (रत्नागिरी), रामेश्वर ARG (सिंधुदुर्ग), पोलादपुर (रायगढ़) - 7 प्रत्येक.

छत्तीसगढ़: नागपुर (बस्तर) - 11: जगदलपुर (बस्तर) - 9: सुकमा (सुकमा), मलखरौदा (सक्ती) - 8 प्रत्येक; लोहंडीगुड़ा (बस्तर), औरचा (नारायणपुर), हसौद (सक्ती), भोथिया (सक्ती) - 7 प्रत्येक.

ओडिशा : अटाबिरा (बरगढ़) - 10: झोरिगांव (नवरंगपुर), चेंदिपाड़ा (अंगुल), अलीपिंगल (जगतसिंहपुर) - 9 प्रत्येक; ओडगांव (नयागढ़) - 8; सोहेला (बरगढ़), बामरा (संभलपुर), सलेभट्टा (बलांगीर) - 7 प्रत्येक;

गंगीय पश्चिम बंगाल: उलुबेरिया (हावड़ा) - 10; नलहाटी (बीर्बूम), अलीपुर (कोलकाता) - 8 प्रत्येक.

तेलंगाना: आत्मकुरवरगल (हनुमकोंडा), सुल्तानाबाद (पेड्डापल्ली) - 10 प्रत्येक; - करीमनगर AP (करीमनगर) - 8; थिम्मापुर (करीमनगर), चंद्रुगोंडा (भद्राद्री कोठागुडेम), सिरपुर (कुमारम भीम), संगम (वरंगल), आलमपुर (जोगुलम्बा गडवाल) - 7 प्रत्येक.

तमिलनाडु, पुडुचेरी एवं कराईकल: नाडुवट्टम (नीलगिरी) - 10; चिन्नकलार (कोयंबटूर) - 8;

केरल एवं माहे : कूडुलु (कासरगोड) - 9; कुमारकम (कोट्टयम), चेरथला (अलाप्पुझा), मुलियार AWS (कासरगोड) - 7 प्रत्येक.

नागालैंड, मणिपुर, मिज़ोरम एवं त्रिपुरा: लेंगपुई (ऐज़ॉल) - 9

अनुलग्नक II

Table-1

7 Days Rainfall Forecast

S.No.	Subdivision	20- Jul	21- Jul	22- Jul	23- Jul	24- Jul	25- Jul	26- Jul
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
2	ARUNACHAL PRADESH	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	FWS	WS
3	ASSAM & MEHGHALAYA	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	FWS	FWS	SCT	SCT	FWS	SCT	FWS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS
6	GANGETIC WEST BENGAL	FWS	SCT	SCT	FWS	WS	WS	WS
7	ODISHA	FWS	SCT	FWS	WS	WS	WS	WS
8	JHARKHAND	SCT	SCT	SCT	FWS	WS	WS	WS
9	BIHAR	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS
10	EAST UTTAR PRADESH	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	FWS	FWS
11	WEST UTTAR PRADESH	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS
12	UTTARAKHAND	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	SCT	WS	WS	SCT	SCT	ISOL	SCT
14	PUNJAB	SCT	WS	WS	SCT	SCT	ISOL	SCT
15	HIMACHAL PRADESH	FWS	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	FWS	WS	WS	WS	WS	SCT	ISOL
17	WEST RAJASTHAN	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
18	EAST RAJASTHAN	ISOL	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	SCT
19	WEST MADHYA PRADESH	ISOL	SCT	FWS	FWS	FWS	WS	WS
20	EAST MADHYA PRADESH	ISOL	SCT	FWS	FWS	FWS	WS	WS
21	GUJRAT REGION	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS
22	SAURASHTRA & KUTCH	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
23	KONKAN & GOA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
24	MADHYA MAHARASHTRA	ISOL	SCT	SCT	FWS	FWS	SCT	FWS
25	MARATHWADA	ISOL	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
26	VIDARBHA	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS
27	CHHATTISGARH	FWS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT
29	TELANGANA	FWS	WS	WS	FWS	FWS	WS	WS
30	RAYALASEEMA	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
35	KERALA AND MAHE	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
36	LAKSHADWEEP	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS

- **जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।**

अनुलग्नक III

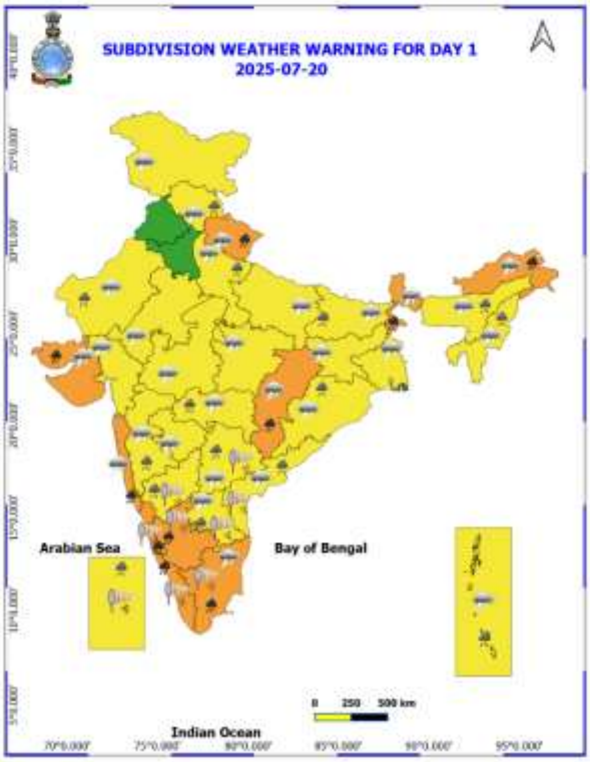
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2025-07-20
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

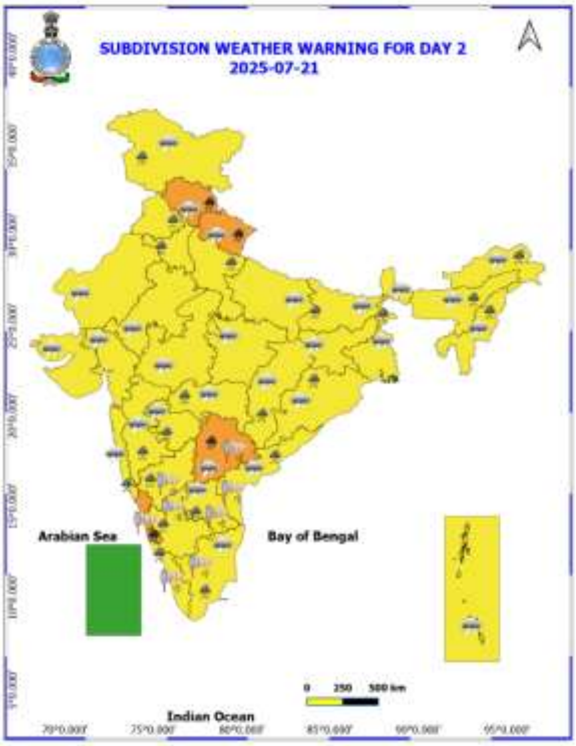
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2025-07-21
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

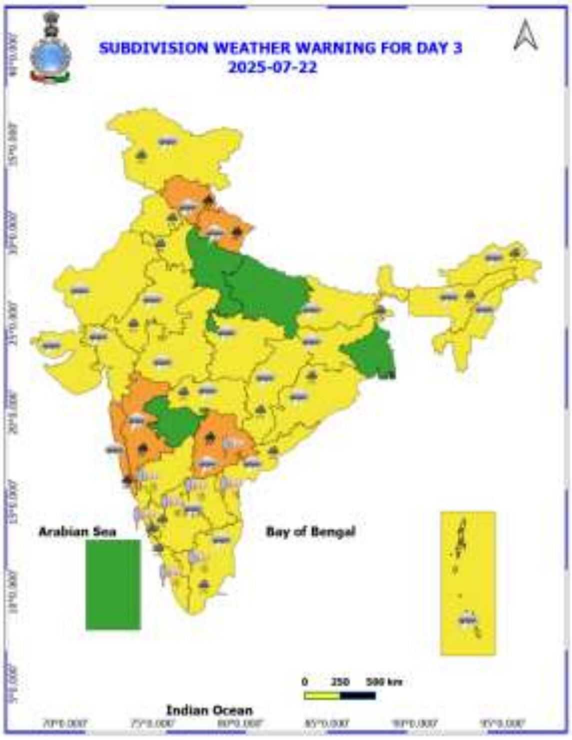
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2025-07-22
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

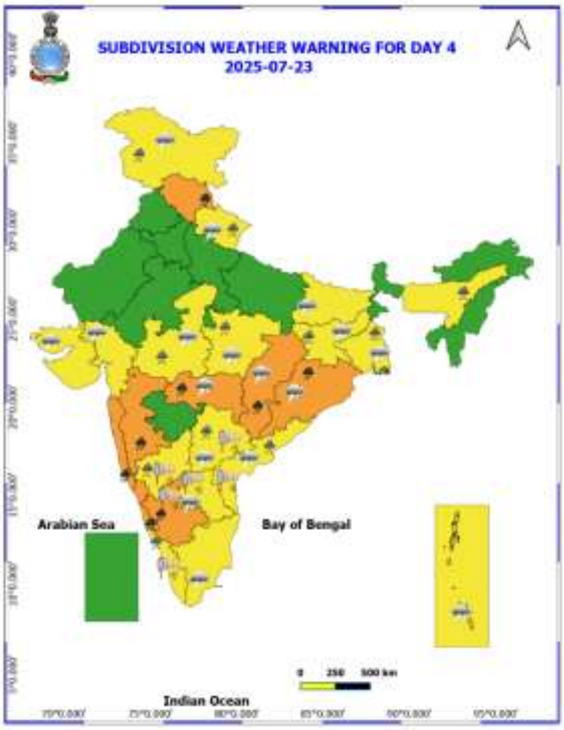

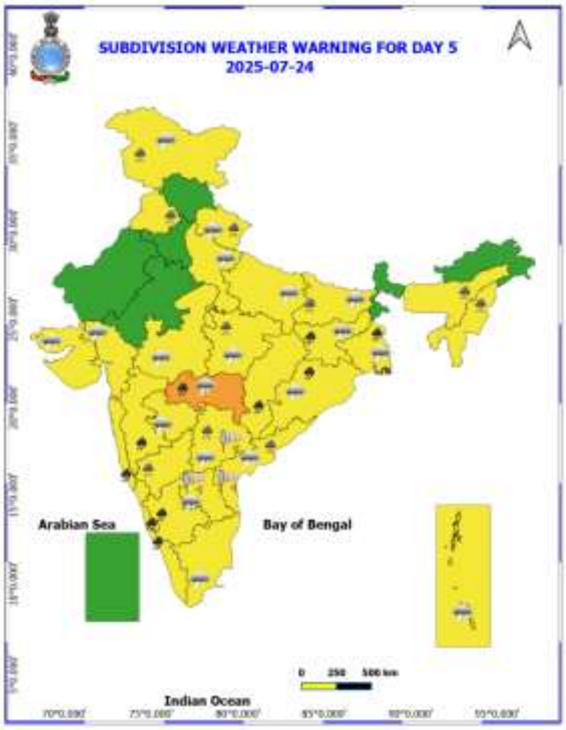

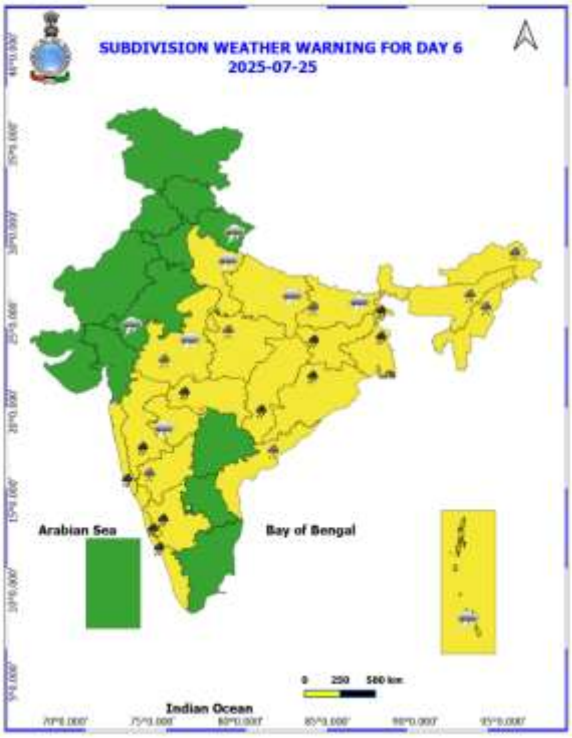

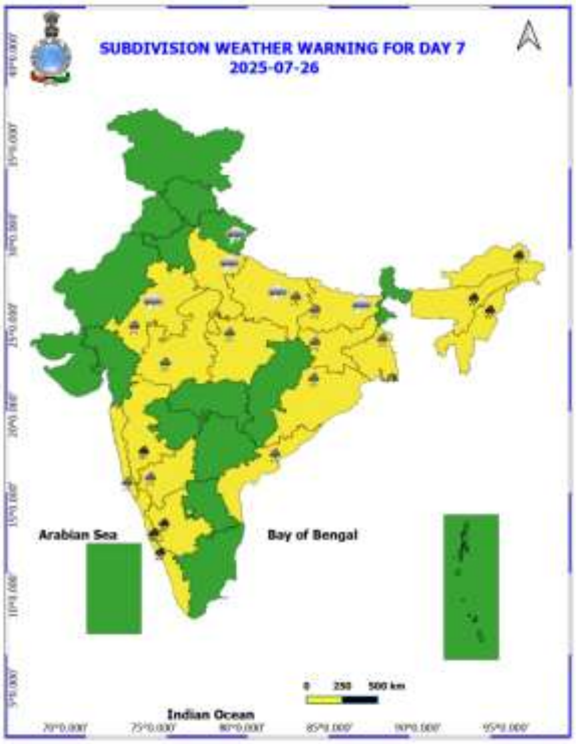

- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक IV

दिल्ली/एनसीआर के लिए 20 से 23 जुलाई 2025 तक का मौसम पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली/एनसीआर में न्यूनतम तापमान में लगभग 1 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हुई है जबकि अधिकतम तापमान में कोई विशेष परिवर्तन नहीं देखा गया। दिल्ली में अधिकतम तापमान लगभग 33 से 34 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 24 से 26 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। न्यूनतम तापमान सामान्य से लगभग 1 डिग्री सेल्सियस कम रहा जबकि अधिकतम तापमान सामान्य से 1 से 2 डिग्री सेल्सियस कम रहा। पिछले 24 घंटों के दौरान आंशिक रूप से बादल छाए रहे और सतही हवाएँ मुख्यतः दक्षिण-पूर्व दिशा से 16 किमी प्रति घंटे तक की गति से चलीं। आज पूर्वाह्न में क्षेत्र में आंशिक रूप से बादल छाए रहे और दक्षिण-पश्चिम दिशा से 10 किमी प्रति घंटे से कम की गति से हवा चली।

मौसम पूर्वानुमान:

20.07.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। बहुत हल्की बारिश की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 35 से 37 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है, जो सामान्य से 1 से 2 डिग्री सेल्सियस अधिक रहेगा। मुख्य सतही हवा दक्षिण-पश्चिम दिशा से दोपहर में 15 किमी प्रति घंटे से कम की गति से चलेगी। शाम और रात में हवा की गति बढ़कर 15-20 किमी प्रति घंटे हो सकती है।

21.07.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे, जो धीरे-धीरे सामान्य रूप से बादल वाले आसमान में बदल सकते हैं। बहुत हल्की से हल्की बारिश के साथ गरज/बिजली गिरने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 32 से 34 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 26 से 28 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य के आसपास रहेगा जबकि अधिकतम तापमान सामान्य से 1 से 2 डिग्री सेल्सियस कम रहेगा। सुबह दक्षिण-पश्चिम दिशा से 15 किमी प्रति घंटे से कम की हवा चलेगी। दोपहर में यह गति घटकर 10 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी। शाम और रात में हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से 08 किमी प्रति घंटे से कम की गति से चलेगी।

22.07.2025: आम तौर पर बादल छाए रहेंगे। बहुत हल्की से हल्की बारिश के साथ गरज/बिजली गिरने की संभावना है। अधिकतम तापमान 31 से 33 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 24 से 26 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1 से 2 डिग्री सेल्सियस कम और अधिकतम तापमान सामान्य से 3 से 5 डिग्री सेल्सियस कम रहेगा। सुबह मुख्य सतही हवा दक्षिण-पश्चिम दिशा से 15 किमी प्रति घंटे से कम की गति से चलेगी। दोपहर में हवा दक्षिण दिशा से 12 किमी प्रति घंटे से कम की गति से चलेगी। शाम और रात में हवा की गति बढ़कर दक्षिण-पूर्व दिशा से 16 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी।

23.07.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। बहुत हल्की से हल्की बारिश के साथ गरज/बिजली गिरने की संभावना है। अधिकतम तापमान 32 से 34 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 24 से 26 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1 से 2 डिग्री सेल्सियस कम और अधिकतम तापमान सामान्य से 1 से 3 डिग्री सेल्सियस कम रहेगा। सुबह मुख्य सतही हवा दक्षिण-पश्चिम दिशा से 20 किमी प्रति घंटे से कम की गति से चलेगी। दोपहर में हवा की गति घटकर दक्षिण-पूर्व दिशा से 12 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी। शाम और रात में यह हवा पश्चिम दिशा से 15 किमी प्रति घंटे से कम की गति से चलेगी।

हल्की बारिश और गरज/बिजली गिरने के संभावित प्रभाव एवं सुझाए गए एहतियात:

- सावधान रहें और एहतियाती कदम उठाएं, क्योंकि गरज/बिजली गिरने की संभावना है।
- खड़ी फसलों को नुकसान, पेड़ों की टहनियों के टूटने से बिजली और संचार लाइनों को आंशिक से गंभीर नुकसान, कमजोर संरचनाओं को आंशिक क्षति, और ढीले सामान उड़ सकते हैं।
- लोगों को सलाह दी जाती है कि मौसम की बिगड़ती स्थिति पर नजर रखें और आवश्यकता पड़ने पर सुरक्षित स्थानों की ओर जाएं। घर के अंदर रहें, खिड़की और दरवाजे बंद रखें, यात्रा से बचें यदि संभव हो, सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें, कंक्रीट की ज़मीन पर न लेटें और कंक्रीट की दीवारों से न लगें, विद्युत/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को अनप्लग करें, जल स्रोतों से तुरंत बाहर आ जाएं, और सभी विद्युत चालक वस्तुओं से दूर रहें।

अत्यधिक भारी वर्षा/बहुत भारी वर्षा के कारण सुझाए गए प्रभाव और कार्रवाई:

बहुत भारी बारिश साराष्ट्र और कच्छ, छत्तीसगढ़, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल व सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश (20 जुलाई)

उत्तराखंड, तमिलनाडु (20-22 जुलाई) हिमाचल प्रदेश (21-23 जुलाई) कोंकण व गोवा, मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्र, केरल व माहे, तटीय एवं दक्षिण आंतरिक कर्नाटक (20-26 जुलाई) तेलंगाना (20-24 जुलाई)

विदर्भ, छत्तीसगढ़, ओडिशा, गंगेय पश्चिम बंगाल (23-25 जुलाई)

संभावित प्रभाव

शहरी क्षेत्रों (राजस्थान व पश्चिम मध्यप्रदेश) सहित ऊपर बताए गए क्षेत्रों में सड़कों पर स्थानीय बाढ़, निचले इलाकों में जलभराव व अंडरपास का बंद होना भारी वर्षा के कारण दृश्यता में कभी-कभी कमी

जलभराव से प्रमुख शहरों में यातायात बाधित व यात्रा समय में वृद्धि

कच्ची सड़कों को आंशिक नुकसान

संवेदनशील ढांचों को नुकसान की संभावना

स्थानीय भूस्खलन, दलदल, भू-स्खलन या पानी की वजह से भूमि धंसना

जलभराव के कारण बागवानी व खड़ी फसल को नुकसान

कुछ क्षेत्रों में नदी जलभराव या बाढ़ की संभावना

सुझाए गए कार्य

गंतव्य के लिए निकलने से पहले मार्ग में यातायात जाम की जानकारी लें

संबंधित यातायात सलाह पर ध्यान दें

उन जगहों पर न जाएँ जहाँ बार-बार पानी भराव की समस्या होती है

कमजोर ढाँचों में निवास करने से बचें

भारी / भारी से बहुत भारी वर्षा/ अत्यधिक भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल: तराई क्षेत्र में खरीफ धान, जूट व सब्जियों में उचित निकासी रखें; पहाड़ी क्षेत्र में धान, अदरक, सब्जियों व फल बागानों से अतिरिक्त पानी बाहर निकालें
- बिहार: धान की नर्सरी, मक्का, अरहर, रागी, बागवानी व सब्जियों में अतिरिक्त पानी निकालें
- ओडिशा: धान की नर्सरी, रोपे गए धान, मक्का, दालें, सब्जी व बागानी फसलों से अतिरिक्त पानी निकालें
- राजस्थान: शुष्क पश्चिमी मैदानी क्षेत्र में मूँग, तिल, मोठ, क्लस्टर बीन व बाजरा से, तथा उप-आर्द्र दक्षिणी मैदानी एवं अरावली क्षेत्र में ईख, केला, धान, मक्का, कपास, सोयाबीन, मूँगफली सहित अन्य में अतिरिक्त पानी बाहर निकालें
- उत्तराखंड: भाबर व तराई में धान, पहाड़ी क्षेत्र में उड़द, उप-आर्द्र उपोष्णिक में बार्नयार्ड मिलेट, रागी, खीरा व धान से अतिरिक्त पानी निकालें
- हिमाचल प्रदेश: मक्का, रागी व सब्जी के खेतों में उचित निकासी, लंबे व दलहन फसलों तथा ककड़ी लताएँ सहारे दें; मिड हिल्स उप-आर्द्र क्षेत्र में परिपक्व टमाटर, बैंगन, शिमला मिर्च की तुड़ाई कर सुरक्षित स्थान पर रखें
- अरुणाचल प्रदेश: कटे हुए सोयाबीन को सुरक्षित रखें, भारी बारिश में मिलेट व धान की रोपाई ना करें, रोपी गई/बोई फसलों व बागानों में निकासी रखें, बीजों को प्राकृतिक मल्च से ढकें
- मेघालय: धान की नर्सरी के चारों ओर उचित निकासी रखें, मक्का, काउपी, भिंडी, बैंगन, कद्दू के खेतों में निकासी, केला को सहारा दें

- **तमिलनाडु: वेस्टर्न ज़ोन में धान की नर्सरी व हाल में रोपे गए धान में, दक्षिणी क्षेत्र में ज्वार, गन्ना, मक्का, धान, केला, नारियल व पर्वतीय उच्च क्षेत्र में खड़ी फसल में निकासी; कावेरी डेल्टा में केले को सहारा दें**
- **केरल: केला को निर्देशयुक्त यांत्रिक सहारा दें, सेंट्रल ज़ोन में केला, नारियल, धान, साउदर्न ज़ोन में केला, नारियल, अदरक, सब्जी, हाई एल्टीट्यूड ज़ोन में धान की नर्सरी के लिए निकासी, उत्तरी क्षेत्र में धान की नर्सरी व रोपाई टालें**
- **कर्नाटका:**
- **तटीय क्षेत्र: धान नर्सरी की बोवाई स्थगित करें, सुपारी-केला में निकासी**
- **घाटी क्षेत्र: धान, मक्का, कपास, अदरक, सुपारी प्लांटेर्शन से अतिरिक्त पानी निकालें**
- **साउदर्न ट्रांजिशन: सुपारी-नारियल में निकासी**
- **साउदर्न ड्राय: मक्का, टमाटर, केला को सहारा, चावल व मसाले के खेतों में जलभराव न होने दें, धान के बीजलों को प्लास्टिक या छाया नेट से ढकें, रोपाई स्थगित करें**
- **कोंकण: धान, रागी की नर्सरी, मूँगफली, सब्जियों, बागानों से पानी निकालें; मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्र में भी जल निकासी करें.**
- **नोट: नदी बाढ़ संबंधी जानकारी के लिए कृपया CWC की वेबसाइट देखें।**

पशुपालन / मत्स्य पालन

- भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार प्रदान करें।
- चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- अतिरिक्त पानी को निकालने हेतु तालाब के चारों ओर उचित जाल का प्रयोग करके एक आउटलेट का निर्माण करें, जिससे अतिप्रवाह की स्थिति में मछलियों को बाहर निकलने से रोका जा सके।

तूफान / तेज़ हवाओं / तूफानी हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- बागवानी फसलों, सब्जियों और युवा फलों के पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

आकस्मिक बाढ़ मार्गदर्शन:

24 घंटे की संभावना के लिए फ्लैश फ्लड रिस्क (FFR) आउटलुक 21-07-2025 के 1130 IST तक:
अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-विभागों के कुछ वाटरशेड्स और पड़ोसी क्षेत्रों में मध्यम फ्लैश फ्लड जोखिम की संभावना है।

असम एवं मेघालय - कछार, एन.सी. हिल्स, ईस्ट गारो हिल्स, ईस्ट खासी हिल्स, नॉर्थ गारो हिल्स, साउथ गारो हिल्स, वेस्ट खासी हिल्स और जयंतिया हिल्स जिलों में।

सब-हिमालयीन पश्चिम बंगाल एवं सिक्किम - ईस्ट सिक्किम, नॉर्थ सिक्किम, वेस्ट सिक्किम, दार्जिलिंग, जलपाईगुड़ी और उत्तर दिनाजपुर जिले।

क्षेत्र की पूरी तरह संतृप्त मिट्टी और निम्न-भूमि में अगले 24 घंटों में संभावित वर्षा के कारण सतही बहाव/जलभराव हो सकता है।

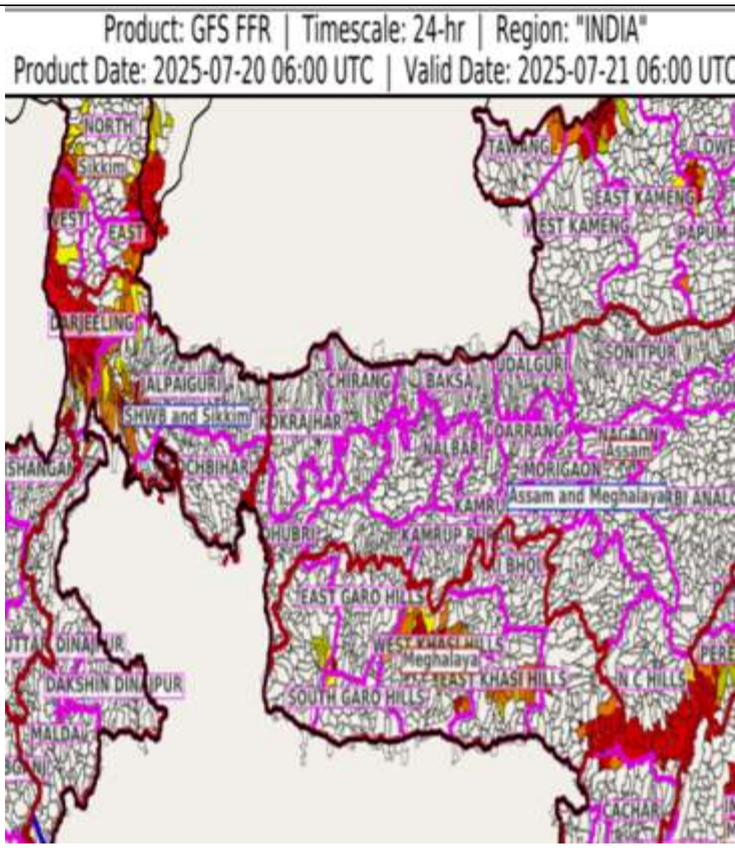

अगले 24 घंटों के लिए फ्लैश फ्लड रिस्क (FFR) आउटलुक 21-07-2025 के 1130 IST तक:
निम्नलिखित मौसम उप-विभागों के कुछ वाटरशेड्स और पड़ोसी क्षेत्रों में कम से मध्यम फ्लैश फ्लड जोखिम की संभावना है।

तटीय कर्नाटक - दक्षिण कन्नड़, उडुपी और उत्तर कन्नड़ जिले।

केरल एवं माहे - अलप्पुझा, एर्नाकुलम, इडुक्की, कन्नूर, कासरगोड, कोट्टायम, कोझिकोड, माहे, मलप्पुरम, पलक्कड़, पत्तनमिट्टा, त्रिशूर और वायनाड जिले।

क्षेत्र की पूरी तरह संतृप्त मिट्टी और निम्नभूमि में अगले 24 घंटों के दौरान संभावित वर्षा के कारण सतही बहाव/जलभराव हो सकता है।

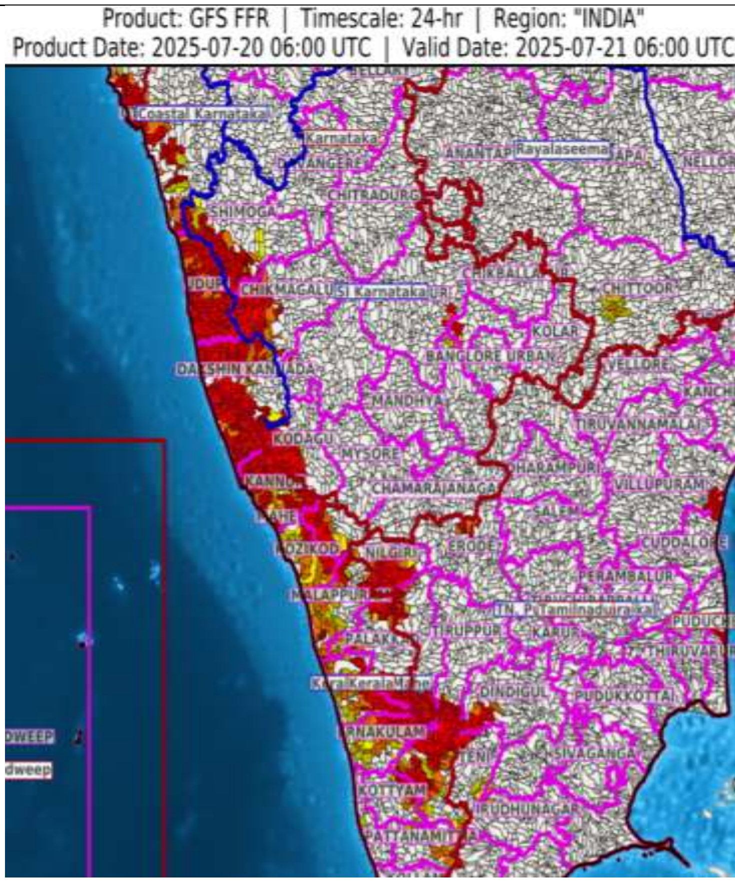

अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-विभागों के कुछ जलग्रहण क्षेत्रों और पड़ोसी क्षेत्रों में कम से मध्यम फ्लैश फ्लड (अचानक बाढ़) जोखिम रहने की संभावना है। हिमाचल प्रदेश - बिलासपुर, चंबा, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी, शिमला, सिरमौर और सोलन जिले। उत्तराखंड - अल्मोड़ा, बागेश्वर, चमोली, चंपावत, देहरादून, नैनीताल, पौड़ी गढ़वाल, रुद्रप्रयाग, उत्तरकाशी, टिहरी, पिथौरागढ़, गढ़वाल और अन्य जिले। क्षेत्र की पूरी तरह संतृप्त मिट्टी एवं निम्न-भूमि में अगले 24 घंटों में संभावित वर्षा के कारण सतही बहाव/जलभराव (इनंडेशन) हो सकता है।	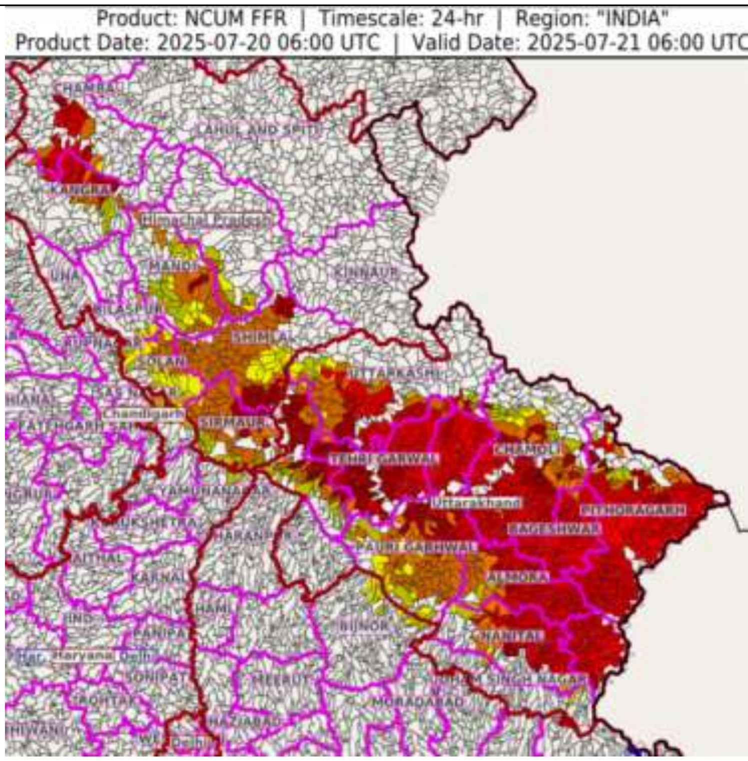

किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:

- भारी वर्षा: 64.5-115.5 मिमी; बहुत भारी वर्षा: 115.6-204.4 मिमी; अत्यधिक भारी वर्षा: >204.4 मिमी।

मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- पूर्वोत्तर भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- पश्चिम भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आतंरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आतंरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप

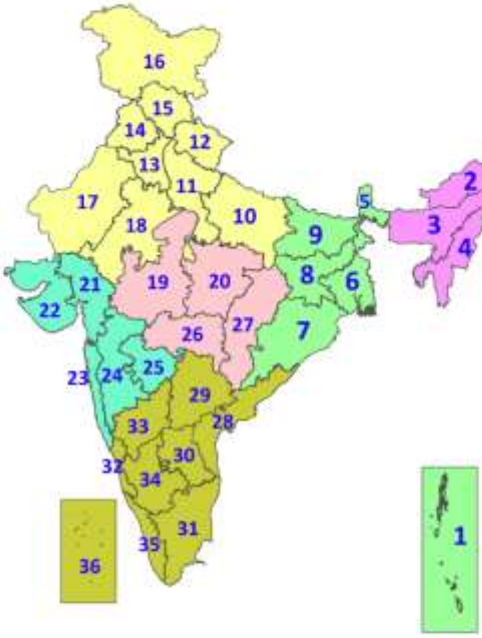

1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

Fog
Heavy Rain
Very Heavy Rain
Extremely Heavy Rain
Thunder & Lightning
Hailstorm
Dust Raising Winds
Heavy Snow
Dust Storm
Heat Wave
Warm Night
Hot Day
Hot & Humid
Strong Surface Winds
Cold Wave
Cold Day
Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)